Department of Higher Education
Govt. of Uttarakhand

DEVBHOOMI
UDYAMITA YOJANA

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

DUY – STARTUP BOOTCAMP

Volume – 2

STARTUP BOOTCAMP 20 TO 43

उद्यमिता विकास में छात्रों से अधिक रुचि ले रहीं हैं छात्राएं

रविंद्र बड़थ्वाल • देहरादून

- उद्यम जागरूकता बूट कैंप में राजकीय डिग्री कालेज की छात्राओं की 65 प्रतिशत भागीदारी
- देवभूमि उद्यमिता विकास केंद्रों में आसपास के युवाओं को भी मिलेगा उद्यमिता का प्रशिक्षण

उच्च शिक्षा सचिव ने शैलेश बगोली • जागरण आर्काइव

इन प्रमुख क्षेत्रों में उद्यमिता विकास और स्टार्टअप को किया जा रहा प्रोत्साहित

- पर्यटन
- सौर ऊर्जा
- एरोमा
- ड्रोन प्रौद्योगिकी
- आयुष
- मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज
- हस्तशिल्प
- विरासत स्थल प्रबंधन
- कृषि एवं वन उत्पाद
- कृषि-खाद्य प्रसंस्करण
- लाजिस्टिक्स-सप्लाई चेन

105 देवभूमि उद्यमिता केंद्रों की स्थापना शीघ्र

सरकार ने राजकीय डिग्री कालेजों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए देवभूमि उद्यमिता विकास की महत्वाकांक्षी योजना प्रारंभ की है। प्रदेश में इस योजना के क्रियान्वयन के लिए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से अनुबंध किया गया है। संस्थान की ओर से राजकीय विश्वविद्यालयों के परिसरों एवं राजकीय डिग्री कालेजों में कुल 125 देवभूमि उद्यमिता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। अब तक 20 केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। 105 केंद्रों की स्थापना दो माह के भीतर की जाएगी।

प्रदेश में नए उद्यमों और स्टार्ट अप की स्थापना में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने जा रही है। राजकीय डिग्री कालेजों में उद्यम जागरूकता के लिए चलाए जा रहे स्टार्टअप बूट कैंप में छात्रों की तुलना में छात्राएं अधिक भागीदारी कर रही हैं। इनमें अब तक कुल पंजीकृत हुए 5500 से अधिक विद्यार्थियों में 65 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं। वहीं डिग्री कालेजों में स्थापित किए जा रहे देवभूमि उद्यमिता केंद्र में छात्र-छात्राओं के साथ आसपास के युवाओं को भी उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रदेश में शिक्षा से उद्यमिता की ओर प्रोत्साहन के लिए सरकार के प्रयास महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी बड़ी पहल साबित हो रहे हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से देशभर में कराए गए पीरियोडिक वर्क फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों ने उत्तराखंड का उत्साह बढ़ाया है। विशेष रूप से इस श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी यानी रोजगार के अवसर बढ़े हैं। वर्ष 2021-22 में प्रदेश में महिला श्रम बल की भागीदारी 34.6 प्रतिशत थी। एक वर्ष में यानी वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 41.1 प्रतिशत हो गई। इसमें भी 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब उच्च शिक्षा में उद्यमिता विकास की पहल में छात्राओं की भागीदारी बढ़ना सुखद है।

स्टार्टअप व उद्यम को 12 क्षेत्र चिह्नित: संस्थान की ओर से 12 ऐसे क्षेत्र अभी तक चिह्नित किए गए हैं, जिनमें स्टार्टअप और उद्यमों की स्थापना के लिए छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही छोटे से लेकर बड़े व्यवसायों को शुरू करने और उनके संचालन के बारे में भी छात्र-छात्राओं को जानकारी दी जाएगी। ऐसे 100 व्यवसायों के प्रोफाइल तैयार किए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 3000 युवाओं को उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण डिग्री कालेजों के विद्यार्थियों के साथ आसपास के 18 से 45 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को दिया जाएगा।

बूट कैंप में 5641 छात्र-छात्राओं ने कराया पंजीकरण: देवभूमि उद्यमिता केंद्र प्रारंभ करने से पहले डिग्री कालेजों के युवाओं के लिए उद्यम जागरूकता को बूट कैंप लगाए जा रहे हैं। दो दिवसीय कुल 40 बूट कैंप लगाए जाने हैं। इनमें से राज्य के 11 जिलों में 19 बूट कैंप हो चुके हैं। इनमें अभी तक कुल 5641 छात्र-छात्राएं और 592 संस्थान पंजीकृत हुए हैं। बूट कैंप में 3300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भागीदारी की। विशेष बात यह है कि पंजीकरण कराने और बूट कैंप में भागीदारी में छात्राओं की भागीदारी 65 प्रतिशत से अधिक रही है। उच्च शिक्षा सचिव ने शैलेश बगोली ने इसकी पुष्टि की।

शैलेश बगोली ने कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य डिग्री कालेजों के माध्यम से युवाओं को उद्यम और स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। इसका सीधा प्रभाव राज्य की अर्थव्यवस्था को नई शक्ति के रूप में दिखाई देगा। युवा कौशल विकास कर उद्यमों की

www.jagran.com

आसपास जागरण

डिग्री बांटने तक सिमटे सरकारी कालेज देंगे रोजगार

पहले चरण में राजकीय डिग्री कालेजों में बनेंगे 25 देवभूमि उद्यमिता केंद्र, जुड़ेंगे 50 हजार विद्यार्थी

रविंद्र बड़थ्वाल • देहरादून

उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगोली • जागरण आर्काइव

व्यवसाय के तैयार हो रहे 100 प्रोफाइल

उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगोली ने बताया कि देवभूमि उद्यमिता केंद्रों में छात्र-छात्राओं को छोटे से लेकर बड़े व्यवसाय और उद्यमों से संबंधित जानकारी दी जाएगी। ऐसे 100 प्रोफाइल युवाओं की सहायता के लिए तैयार किए जा रहे हैं। व्यवसाय के संबंध में युवाओं को सोचने और उसे धरातल पर उतारने को कार्ययोजना बनाने के लिए 12 दिन का प्रशिक्षण मिलेगा। व्यवसाय शुरू करने को पूंजी की जरूरत, उपलब्धता, बैंकों से ऋण, स्टार्टअप बनाने के लिए प्रक्रियाओं के साथ संबंधित अन्य जानकारी भी विद्यार्थियों को मिलेगी। छोटा काम-धंधा शुरू कर वे आजीविका संबंधी समस्याओं से पार पा सकेंगे।

रोजगार को तरसते युवाओं को मात्र डिग्री बांटने तक सिमट कर रह गए राजकीय डिग्री कालेज नई महत्वपूर्ण भूमिका में आ रहे हैं। वहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के हाथ काम के लिए नहीं तरसेंगे। वहां स्थापित होने वाले देवभूमि उद्यमिता केंद्रों में स्टेशनरी की दुकान जैसे छोटे व्यवसाय से लेकर स्टार्टअप और उद्यमों की स्थापना के लिए बारीकियां सिखाई जाएंगी। पहले चरण में ऐसे 25 केंद्र बनेंगे। इसके बाद सभी 119 कालेजों में इन्हें संचालित किया जाएगा। उद्यमिता के इस पारिस्थितिकी तंत्र से प्रति वर्ष 10 हजार और पांच वर्ष में 50 हजार विद्यार्थियों को जागरूक करने का लक्ष्य रखा गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षा को नए स्वरूप में ढालने और उसे रोजगार से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार राज्यों को प्रोत्साहित कर रही है। नई नीति के क्रियान्वयन का संकल्प लेने के साथ प्रदेश ने भी केंद्र की अपेक्षाओं के अनुरूप उद्यमिता व कौशल विकास को उच्च शिक्षा का अंग बनाने की पहल की है। राजकीय डिग्री कालेजों में उद्यमिता का पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने को देवभूमि उद्यमिता योजना शुरू की है।

अब तक लग चुके 10 बूट कैंप : इस योजना के लिए किए गए अनुबंध के अनुसार भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद राजकीय डिग्री कालेजों में उद्यमिता विकास का तंत्र विकसित कर रहा है। संस्थान की ओर से प्रदेशभर में राजकीय डिग्री कालेजों में छात्र-छात्राओं का व्यावसायिक कौशल बढ़ाने और इसके लिए रुचि उत्पन्न करने को 40 बूट कैंप लगेंगे। अब तक 10 बूट कैंप लग चुके हैं। बूट कैंप के तुरंत बाद 50 देवभूमि उद्यमिता केंद्रों की स्थापना की जाएगी। अगले चरणों में सभी राजकीय डिग्री कालेजों में इन केंद्र बनेंगे। देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 3000 छात्र-छात्राओं को उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सरकार ने प्रति वर्ष 10 हजार और पांच साल में 50 हजार युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करने का लक्ष्य रखा है।

मेरठ, शुक्रवार 26 जनवरी 2024

छात्रों द्वारा नवीन एवं रचनात्मक विचारों की प्रस्तुति के साथ स्टार्टअप बूट कैंप का समापन

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

कोटद्वार। उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत डॉ पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में चल रहे दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप के द्वितीय दिवस छात्र-छात्राओं ने अपने ग्रुप के साथ उद्यमिता एवं स्टार्टअप के संबंध में नवीन एवं रचनात्मक आइडियाज प्रस्तुत किये। बूट कैंप के दूसरे दिन का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया गया' भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात से विषय विशेषज्ञ के रूप में आए डॉ दीपक चौहान द्वारा छात्र-छात्राओं को उद्यमिता एवं स्टार्टअप से संबंधित बिजनेस प्रपोजल बनाने के लिए प्रोत्साहित व निर्देशित किया गया , जिसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उद्यमिता एवं स्टार्टअप को समझने के लिए बिजनेस प्रपोजल बनवा कर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना था। छात्र-छात्राओं द्वारा दूसरे दिवस में बढ़-चढ़कर प्रपोजल बनाए गए तथा उनकी प्रस्तुति दी गई । छात्र-छात्राओं के द्वारा बनाए गए बिजनेस प्रपोजल में बहुत ज्यादा नवाचार व उनकी दूरदर्शिता की झलक दिखाई दी ' छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए स्टार्टअप संबंधी रचनात्मक विचारों को विषय विशेषज्ञों एवं देवभूमि उद्यमिता टीम द्वारा प्रोत्साहित किया गया एवं प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के समापन सत्र में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर मुरलीधर कुशवाहा ने कोटद्वार क्षेत्र के विकास में देवभूमि उद्यमिता योजना की सार्थकता पर विस्तार से अपने विचार प्रस्तुत किए एवं छात्र-छात्राओं को अपनी कविता के माध्यम से भविष्य में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी ' इस अवसर पर देवभूमि उद्यमिता योजना के महाविद्यालय नोडल अधिकारी डॉ० एस० के० गुप्ता ने बताया कि इस बूट कैंप में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार, भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय एवं आई एच एम एस इंस्टीट्यूट के कुल 247 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा उद्यमिता एवं स्टार्टअप के गुर सीखें ।

डॉ० एस० के० गुप्ता ने बूट कैंप में आए हुए अतिथियों एवं विषय विशेषज्ञों को स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया । बूट कैंप के आयोजन में भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता नोडल डॉ हर्षित शर्मा, आई एच एम एस इंस्टीट्यूट के उद्यमिता नोडल डॉ नवीन किशोर एवं डॉ सिद्धांत नौटियाल, महाविद्यालय उद्यमिता केंद्र की टीम के सदस्य डॉ किशोर सिंह चौहान, डॉ सुनीता नेगी, डॉ प्रियंका अग्रवाल, डॉ मुकेश रावत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का प्रभावपूर्ण एवं सफल संचालन हिंदी विभाग प्रभारी डॉ शोभा रावत द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ ऋचा जैन, डॉ वंदना चौहान, डॉ अंशिका बंसल, डॉ सोमेश ढौंडियाल, डॉ मोहन कुकरेती आदि भी मौजूद रहे। बूट कैंप में देवभूमि उद्यमिता केंद्र, कोटद्वार के छात्र सदस्यों अभिषेक नेगी, गौरव सिंह नेगी, स्वर्णिम रावत, प्रज्वल बिष्ट ,आयुष कुमार, ध्रुव कुकरेती ,क्षितिज नेगी आदि ने व्यवस्था बनाने एवं अन्य कार्यों में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

epaper
हिन्दुस्तान

Share Copy url Save Font Size D'load Image Image Text Listen

बाजपुर: छात्र-छात्राओं से उद्यमिता के गुर किए साझा

बाजपुर, संवाददाता। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उत्तराखंड शासन की देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत भारतीय उद्यमिता प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप शुरू हुआ।

भारतीय उद्यमिता प्रशिक्षण संस्थान से आए प्रशिक्षक दीपक चौहान ने उद्यमिता एवं स्टार्टअप के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। क्षेत्र के प्रमुख उद्यमी गुरबख्श सिंह कांबोज ने अपने हॉर्टिकल्चर स्टार्टअप संबंधी अनुभव और जानकारियां साझा कीं। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाजपुर और राजकीय महाविद्यालय गदरपुर के लगभग 250 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. केके पांडे ने की। डॉ. अतुल उप्रेती आयोजन सचिव रहे। डॉ. रीता सचान, डॉ. मनुहार आर्य, डॉ. अनिल सैनी, डॉ. बीके जोशी, डॉ. दर्शना पतं, डॉ. प्रदीप दुर्गा पाल, डॉ. मनप्रीत सिंह, डॉ. जया कांडपाल रहे।

325 विद्यार्थियों ने सीखे स्टार्टअप के गुर

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय डिग्री महाविद्यालय में उत्तराखंड सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत दो दिवसीय स्टार्टअप बूटकैंप का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. डीसी पंत ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। औद्योगिक विशेषज्ञ प्रदीप चौहान ने बताया कि स्टार्टअप हमारे आसपास की समस्याओं को लेकर उसको उद्यम का एक आकार दिया जा सकता है। इससे लोगों की समस्याओं का निराकरण के साथ व्यापार का भी विस्तार होगा। 325 विद्यार्थियों ने बूट कैंप में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में देव भूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल प्रोफेसर पीएन तिवारी, सहायक नोडल डॉ आशीष गुप्ता, प्रो सर्वजीत सिंह, पूनम रौतेला, प्रीनू रानी मिश्रा आदि थीं। संवाद

विद्यार्थियों को उद्यमिता और स्टार्टअप का प्रशिक्षण दिया

टनकपुर (चंपावत)। राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि योजना के अंतर्गत दो दिवसीय स्टार्ट अप कैंप में समापन हुआ। इसमें छात्र-छात्राओं को उद्यमिता और स्टार्टअप शुरू कर अपना भविष्य संवारने का प्रशिक्षण दिया गया।

बूट कैंप का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनुपमा तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रोफेसर तिवारी ने बताया कि योजना के क्रियान्वयन और सफल संचालन के लिए कॉलेज में उद्यमिता विकास केंद्र स्थापित किया गया है। इसके नोडल अधिकारी प्रोफेसर एसके कटियार और सदस्य प्रो. एमएस चौहान, डॉ. सुल्तान सिंह यादव, डॉ. सुषमा मक्कड़, डॉ. विमल जोशी हैं।

करीब 10 छात्र और छात्राओं को भी उद्यमिता की टीम में सम्मिलित किया गया है।। उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के गौतम कुमार प्रसाद ने सरकार की उक्त योजना के सभी पहलुओं को विस्तृत रूप से रखा।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में भारतीय स्टेट बैंक शाखा प्रबंधक दीपक पांडे, डिग्री कॉलेज अमोड़ी के डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता, नोडल अधिकारी प्रोफेसर कटियार, डॉ. विमल जोशी ने भी विचार रखे। संवाद

स्टार्टअप बूट कैंप में विद्यार्थियों को जानकारी देते वक्ता एवं मौजूद छात्र • जागरण

विद्यार्थियों को स्टार्टअप की बारीकियां सिखाई

जासं, रुद्रपुर : सरदार भगत सिंह राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजनांतगंत विद्यार्थियों के उद्यमिता कौशल विकास के लिए दो दिवसीय स्टार्टअप बूटकैंप का आयोजन हुआ। जिसमें उन्हें स्टार्टअप को लेकर बारीकियों और विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई।

इस दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों के सवालों का जवाब भी दिया। महाविद्यालय में दो दिवसीय 18-19 जनवरी को स्वरोजगार के लिए गोष्ठी एवं काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। बूट कैंप के प्रथम दिन उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से आए इंडस्ट्री विशेषज्ञ प्रदीप चौहान ने छात्र-छात्राओं में स्टार्टअप शुरू करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर एवं विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप हमारे आसपास की समस्याओं को लेकर उसको उद्यम का एक आकार दिया जा सकता है। जिससे लोगों की समस्याओं का निराकरण होगा।

यहां प्राचार्य डा. डीसी पंत, नोडल प्रोफेसर पीएन तिवारी, सहायक नोडल डा आशीष गुप्ता, प्रो सर्वजीत सिंह, प्रो पूनम रौतेला, प्रो रीनू रानी मिश्रा, प्रो मनोज पांडेय, डा वीएच खान, डा सुनील मौर्य, डा अंचलेश आदि मौजूद रहे।

बिजनेस के आइडिया देंगे छात्र-छात्राएं

रुद्रपुर, बाजपुर, खटीमा में उद्यमिता प्रशिक्षण शिविर में दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

रुद्रपुर/बाजपुर/खटीमा। उत्तराखंड सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत दो दिवसीय बूट कैंप का समापन हो गया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बिजनेस कैनवास दिए जिसमें विद्यार्थी अपने बिजनेस आइडियाज को प्रदर्शित करेंगे।

सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में आयोजित दो दिनी बूट कैंप के समापन पर शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. डीसी पंत ने कार्यक्रम की शुरुआत की। कैंप में डीआईसी के जनरल मैनेजर योगेश पांडेय, एग्री कैफे स्टार्टअप की संस्थापक दीप्ति अरोरा, उद्यमी निखिल गुप्ता आदि ने स्टार्टअप में आने वाली चुनौतियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

इधर बाजपुर डिग्री कॉलेज में प्रशिक्षक दीपक चौहान, उद्यमी गुरबख्श सिंह कांबोज ने स्टार्टअप संबंधी जानकारियां साझा कीं। वहां प्राचार्य प्रो. केके पांडे, डॉ. अतुल उपेती रहे।

इधर, खटीमा के एचएनबी पीजी कॉलेज में छात्र-छात्राओं ने उत्पादों का प्रदर्शन किया। वहां प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार, डॉ. हरेंद्र मोहन, डॉ. हरिओम सिंह ने शिविर का शुभारंभ किया।

मॉडल प्रदर्शन के साथ बूट कैंप संपन्न

खटीमा महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना कार्यक्रम में उपस्थित प्रवक्ता व अन्य।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय देवभूमि उद्यमिता योजना के बूट कैंप का विभिन्न विषयों पर मॉडल और व्याख्यान के साथ समापन हुआ।

महाविद्यालय में बूट कैंप के द्वितीय दिवस का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार, नोडल अधिकारी डॉ हरेंद्र मोहन, दुर्गनाकुरी महाविद्यालय बागेश्वर के प्राचार्य प्रो. हरी ओम सिंह, डॉ. केके मिश्रा, एफडीआई अहमदाबाद से आए प्रशिक्षक गौतम कुमार प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कैंप में रीता कश्यप ने मशरूम उत्पादन, पयस्विनी जोशी और जितेन्द्र भण्डारी ने पर्यटन के क्षेत्र में स्वरोजगार, राहुल कुमार ने अस्पतालों में लगने वाली लाइन की समस्या, नीलम ने मिट्टी के कुल्हड़, रजनी ने हस्तकला के उत्पादों, अमीषा मेहता ने पशु पालन, अपूर्वा ने लोक चित्रकला (रोपण), टीम मान योगा, फरहीन ने स्थानीय खाद्य पदार्थों, सपना ने फिटनेस, पूजा जोशी ने पर्यटन, रिवा ने प्राकृतिक उत्पादों पर स्टार्ट अप संबंधी मॉडल और आइडिया प्रस्तुत किए गए। संचालन डॉ. प्रशान्त जोशी ने किया।

इस मौके पर डॉ प्रमोद काण्डपाल, डॉ. रीना सिंह, डॉ. अंजना भट्ट, डॉ. विपिन भट्ट, डॉ. रेखा देव, डॉ. पिंकी भट्ट, डॉ. ज्योति अग्रवाल, डॉ. धीरज चंदोला, डॉ. मनोज कश्यप, डॉ. गुरेंद्र सिंह, डॉ. रोमा गुहा, डॉ. हीरा अन्ना, डॉ. संध्या भट्ट, डॉ. हेमा पांडे, डॉ. वंदना शर्मा, डॉ. डीएन पाण्डे रहे।

स्टार्टअप बूट कैंप 23 और 24 जनवरी को

किच्छा (उद संवाददाता)। राजकीय महाविद्यालय किच्छा में देवभूमि उद्यमिता योजना का स्टार्ट अप बूट कैंप 23 और 24 जनवरी को महाविद्यालय परिसर में आयोजित होगा। इस संबंध में प्राचार्य की अध्यक्षता में आयोजन समिति की बैठक संपन्न हुई। कैंप में किच्छा स्थित उच्चशिक्षण संस्थानों के 300 विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। उद्यमिता के प्रति विद्यार्थियों को जागरुक करने के लिए संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहा है। प्राचार्य डॉ राजीव रतन ने इस आयोजन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना से उत्तराखंड के युवा उद्यमिता के क्षेत्र में अपना करियर बना सकेंगे। प्राचार्य ने कहा कि नोडल अधिकारी एवं समिति को बूट कैंप की सभी तैयारियाँ पूरी करने के आदेश दे दिए गए हैं। योजना के महाविद्यालयी स्तर पर नोडल डॉ प्रकाशचंद भट्ट ने बताया कि कैंप में प्रतिभाग हेतु विद्यार्थियों को जागरूक किया जा रहा है। व्हाट्सएप ग्रुप में 195 विद्यार्थी जुड़ चुके हैं। योजना के निर्देशानुसार सूरजमल विश्वविद्यालय किच्छा, सूरजमल महाविद्यालय किच्छा. गन्ना कृषक महिला महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भी बूट कैंप में प्रतिभाग के लिए आमंत्रित किया गया है। एनईपी पाठ्यक्रम में उद्यमिता को अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया गया है |बैठक में डॉ नरेश कुमार,डॉ उमराव सिंह, डॉ हर्षिता तिवारी,शुभम गंगवार,लवली पांडेय,आनन्दसिंह मौजूद रहे।

देवभूमि उद्यमिता योजना के स्टार्टअप बूट कैंप का हुआ समापन।

BY न्यूज़ संवाद उत्तराखंड
FEB 3, 2024

गोपेश्वर (चमोली)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड सरकार द्वारा पोषित देवभूमि उद्यमिता योजना क्रियान्वयन संस्था भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सौजन्य से दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का आज विधिवत समापन हुआ।

बूट कैंप के दूसरे दिवस में आज डॉ राजेश कुमार मौर्य ने उद्यमिता के साथ नैतिक मूल्य आपूर्ति श्रृंखला सरकार की योजनाएं तथा उद्यमिता में आने वाली चुनौतियों के बारे में चर्चा की। डा जगमोहन सिंह नेगी ने चमोली जिले में व्यवसाय की संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने बताया कि हमारे पास जो प्राकृतिक संसाधन है उन्हीं से हम बिना पूंजी लगाये अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

श्री सुमित कुमार मिश्रा ने देवभूमि उद्यमिता योजना के बारे में विस्तार से बताया तत्पश्चात स्थानीय उद्यमी श्री राकेश गैरोला ने शिक्षा को व्यवसाय से जोड़ने फ्यूचरिस्टिक अप्रोच तथा वेल्थ मैनेजमेंट पर बल दिया।

प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने उद्यम से संबंधित अपने-अपने विचारों को प्रकट किया ।

नोडल अधिकारी डॉ रोहित वर्मा ने बूट कैंप की प्रशंसा की और बताया कि इसके पश्चात 12 दिन का एक और कैंप का आयोजन किया जाएगा इस दौरान डॉ बीपी देवली, डॉ सुदीप्ता, डॉ अभय कुमार डॉ श्यामलाल डॉ घनश्याम सिंह, डॉ नाभेन्द्र गोसाई, डॉ सुनील भंडारी डॉ विनीता नेगी, रुपेश कुमार उपस्थित रहे ।

बिजनेस के आइडिया देंगे छात्र-छात्राएं

रुद्रपुर, बाजपुर, खटीमा में उद्यमिता प्रशिक्षण शिविर में दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

रुद्रपुर/बाजपुर/खटीमा। उत्तराखंड सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत दो दिवसीय बूट कैंप का समापन हो गया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बिजनेस कैनवास दिए जिसमें विद्यार्थी अपने बिजनेस आइडियाज को प्रदर्शित करेंगे।

सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में आयोजित दो दिनी बूट कैंप के समापन पर शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. डीसी पंत ने कार्यक्रम की शुरुआत की। कैंप में डीआईसी के जनरल मैनेजर योगेश पांडेय, एग्री कैफे स्टार्टअप की संस्थापक दीप्ति अरोरा, उद्यमी निखिल गुप्ता आदि ने स्टार्टअप में आने वाली चुनौतियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

इधर बाजपुर डिग्री कॉलेज में प्रशिक्षक दीपक चौहान, उद्यमी गुरबख्श सिंह कांबोज ने स्टार्टअप संबंधी जानकारियां साझा कीं। वहां प्राचार्य प्रो. केके पांडे, डॉ. अतुल उप्रेती रहे।

इधर, खटीमा के एचएनबी पीजी कॉलेज में छात्र-छात्राओं ने उत्पादों का प्रदर्शन किया। वहां प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार, डॉ. हरेंद्र मोहन, डॉ. हरिओम सिंह ने शिविर का शुभारंभ किया।

विद्यार्थियों की स्टार्टअप में रुचि जगाई

खटीमा डिग्री कॉलेज में उद्यमिता योजना के प्रशिक्षण में 600 प्रशिक्षुओं ने किया प्रतिभाग

संवाद न्यूज एजेंसी

खटीमा। एचएनबी पीजी कॉलेज में बृहस्पतिवार से उत्तराखंड सरकार के देवभूमि उद्यमिता योजना का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। इसमें 600 से अधिक प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया।

प्रचार्य प्रोफेसर डॉ आशुतोष कुमार, योजना समन्यवक डॉ हरेंद्र मोहन, डॉ केके मिश्रा और ईडीआई अहमदाबाद के प्रशिक्षक गौतम कुमार प्रसाद ने दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण शिविर में खटीमा डिग्री कॉलेज, पॉलीटेक्निक, आईटीआई ने प्रतिभाग किया।

ईडीआई अहमदाबाद के प्रशिक्षक की ओर से उन्हें बागवानी, होटल, कृषि समेत विभिन्न क्षेत्रों में नए स्टार्टअप की जानकारी दी गई। साथ ही लोगों ने अपने रुचि के स्टार्टअप के बारे में राय रखी। योजना के कैंपस समन्वयक डॉ हरेंद्र ने शुक्रवार को प्रशिक्षण के दूसरे दिन अपने रुचि के स्टार्टअप के बारे में बताएंगे। इसके बाद चयनित लोगों की सूची शासन को भेजी जाएगी।

वहां डॉ. प्रशांत जोशी, डॉ.हरिओम सिंह, डॉ. केके मिश्रा, डॉ. केबी श्रीवास्तव, डॉ. जगदीश बिष्ट आदि थे।

325 विद्यार्थियों ने सीखे स्टार्टअप के गुर

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय डिग्री महाविद्यालय में उत्तराखंड सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत दो दिवसीय स्टार्टअप बूटकैंप का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. डीसी पंत ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। औद्योगिक विशेषज्ञ प्रदीप चौहान ने बताया कि स्टार्टअप हमारे आसपास की समस्याओं को लेकर उसको उद्यम का एक आकार दिया जा सकता है। इससे लोगों की समस्याओं का निराकरण के साथ व्यापार का भी विस्तार होगा। 325 विद्यार्थियों ने बूट कैंप में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में देव भूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल प्रोफेसर पीएन तिवारी, सहायक नोडल डॉ आशीष गुप्ता, प्रो सर्वजीत सिंह, पूनम रौतेला, प्रीनू रानी मिश्रा आदि थीं। संवाद

मॉडल प्रदर्शन के साथ बूट कैंप संपन्न

खटीमा महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना कार्यक्रम में उपस्थित प्रवक्ता व अन्य।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय देवभूमि उद्यमिता योजना के बूट कैंप का विभिन्न विषयों पर मॉडल और व्याख्यान के साथ समापन हुआ।

महाविद्यालय में बूट कैंप के द्वितीय दिवस का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार, नोडल अधिकारी डॉ हरेंद्र मोहन, दुर्गनाकुरी महाविद्यालय बागेश्वर के प्राचार्य प्रो. हरी ओम सिंह, डॉ. केके मिश्रा, एफडीआई अहमदाबाद से आए प्रशिक्षक गौतम कुमार प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कैंप में रीता कश्यप ने मशरूम उत्पादन, पयस्विनी जोशी और जितेन्द्र भण्डारी ने पर्यटन के क्षेत्र में स्वरोजगार, राहुल कुमार ने अस्पतालों में लगने वाली लाइन की समस्या, नीलम ने मिट्टी के कुल्हड़, रजनी ने हस्तकला के उत्पादों, अमीषा मेहता ने पशु पालन, अपूर्वा ने लोक चित्रकला (रोपण), टीम मान योगा, फरहीन ने स्थानीय खाद्य पदार्थों, सपना ने फिटनेस, पूजा जोशी ने पर्यटन, रिवा ने प्राकृतिक उत्पादों पर स्टार्ट अप संबंधी मॉडल और आइडिया प्रस्तुत किए गए। संचालन डॉ. प्रशान्त जोशी ने किया।

इस मौके पर डॉ प्रमोद काण्डपाल, डॉ. रीना सिंह, डॉ. अंजना भट्ट, डॉ. विपिन भट्ट, डॉ. रेखा देव, डॉ. पिंकी भट्ट, डॉ. ज्योति अग्रवाल, डॉ. धीरज चंदोला, डॉ. मनोज कश्यप, डॉ. गुरेंद्र सिंह, डॉ. रोमा गुहा, डॉ. हीरा अन्ना, डॉ. संध्या भट्ट, डॉ. हेमा पांडे, डॉ. वंदना शर्मा, डॉ. डीएन पाण्डे रहे।

प्राचार्य डॉ दलीप सिंह बिष्ट ने दीप प्रज्ज्वलित कर दो दिवसीय देवभूमि उद्यमिता कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैम्प शुरू

छात्रों को उद्योग शुरू करने की दी जानकारी

बेरीनाग। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में देवभूमि उद्यमिता योजना के तत्वावधान में प्राचार्य प्रो. डीपी भट्ट की अध्यक्षता में दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैम्प का शुभारंभ हुआ। इस कैम्प में मुख्य वक्ता भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से देवभूमि उद्यमिता योजना के समन्वयक सुमित कुमार रहे। सुमित कुमार ने विद्यार्थियों को उद्यमिता से संबंधित विभिन्न पहलुओं जैसे आइडिया डवलपमेंट, बिजनेस स्किल, जॉब क्रिएशन आदि के बारे में जानकारी प्रदान कर विद्यार्थियों को निरंतर उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रसर रहने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमिता के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए किट वितरित किया जिससे विद्यार्थी उद्यमिता के क्षेत्र से भली-भांति अवगत हो सके। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डीपी भट्ट ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बताया कि देवभूमि उद्यमिता योजना से विद्यार्थियों एवं युवाओं का चतुर्दिक विकास होगा एवं उन्हें आत्मनिर्भर होने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने उद्यमिता के विषय पर व्यापक चर्चा कर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग के देवभूमि उद्यमिता केन्द्र के नोडल अधिकारी डा. ललित चंद ने कार्यक्रम के अध्यक्ष समेत मुख्य वक्ता सुमित कुमार एवं समस्त प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. लीलाधर मिश्र ने किया। इस कार्यक्रम में अमन वर्मा, गोबिंद उपाध्याय, मनोज कुमार, रश्मि पंत समेत महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आयडिया डवलपमेंट पर जोर दें तो होगा उद्यमिता विकास

भास्कर समाचार सेवा

• दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का शुभारंभ

बेरीनाग। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में देवभूमि उद्यमिता योजना के तत्वावधान में प्राचार्य प्रो. डीपी भट्ट की अध्यक्षता में दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का शुभारंभ हुआ। इस कैंप में मुख्य वक्ता भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से देवभूमि उद्यमिता योजना के समन्वयक सुमीत कुमार रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमिता से संबंधित विभिन्न पहलुओं जैसे आईडिया डेवेलपमेंट, बिजिनेस स्किल, जॉब क्रिएशन आदि के बारे में जानकारी प्रदान कर विद्यार्थियों को निरंतर उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रसर रहने की सलाह दी।

उन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमिता के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए किट वितरित किए, जिससे विद्यार्थी उद्यमिता के क्षेत्र से भली-भांति अवगत हो सकें। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डीपी भट्ट ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बताया कि देवभूमि उद्यमिता योजना से विद्यार्थियों एवं युवाओं का चतुर्दिक विकास होगा एवं उन्हें आत्मनिर्भर होने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने उद्यमिता के विषय पर व्यापक चर्चा कर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग के देवभूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ. ललित चंद ने कार्यक्रम के अध्यक्ष समेत मुख्य वक्ता सुमीत कुमार एवं समस्त प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

रानी कुंवर राजकीय महाविद्यालय बना उद्यमिता योजना का केंद्र

- महाविद्यालय में फरवरी प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है 12 दिवसीय एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम
- क्षेत्र के 18 से 45 वर्ष तक के उद्यमी सोच रखने वाले युवा कर सकते हैं प्रतिभाग

संवाद सूत्र, खानपुर : उत्तराखंड सरकार की नई महत्वाकांक्षी देवभूमि उद्यमिता योजना के क्रियान्वयन को उच्च शिक्षा विभाग ने रानी धर्म कुंवर राजकीय महाविद्यालय दल्लावाला खानपुर को केंद्र बनाया है। योजना को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद (ईडीआइआइ) के सहयोग से चलाया जा रहा है। महाविद्यालय में फरवरी प्रथम सप्ताह में 12 दिवसीय एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम प्रस्तावित है।

रानी धर्म कुंवर राजकीय महाविद्यालय की उद्यमिता विकास केंद्र की मेंटर रेणु देवी ने बताया कि 12 दिवसीय कार्यक्रम में महाविद्यालय में अध्ययनरत बीए प्रथम सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर एवं तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं के अलावा क्षेत्र के 18 से 45 वर्ष तक के उद्यमी सोच रखने वाले युवा भी प्रतिभाग कर सकते हैं। सभी प्रतिभागियों का फैकल्टी मेंटर मार्गदर्शन करेंगे।

लीडरशिप प्रोग्राम में उच्च शिक्षा विभाग के प्रशिक्षक प्रतिभागियों को उद्यमिता इतिहास समस्या का चुनाव, बिजनेस वैल्यू, फंडिंग, हर्बल मेडिसिन एवं एरोमेटिक प्लांट्स फूड प्रोसेसिंग आदि के विषय में प्रभावी रूप से जानकारी देकर उनको उद्योग स्थापित में भी गाइड करेंगे। महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर संतोष कुमार सिंह और डा. भूपेंद्र सिंह ने कहाकि उत्तराखंड का गांव दल्लावाला उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर बसा हुआ गांव है। जहां पर उद्यम स्थापना की विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं।

देवभूमि उद्यमिता विकास योजना क्षेत्र के विकास में मिल का पत्थर साबित होगी। देवभूमि उद्यमिता केंद्र स्थापित होने से शिक्षकों और छात्र-छात्राओं के साथ-साथ आसपास के लोगों में खुशी की लहर है।

मेंटर रेणु देवी ने बताया कि 12 दिवसीय एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को असिस्टेंट प्रोफेसर के पास अपना आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र एवं अपने बैंक की पासबुक की छाया प्रति देनीहोगी।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार पर विशेष ध्यान

शिक्षा

73,498 करोड़ स्कूली शिक्षा के लिए सबसे ज्यादा बजट, 47,619 करोड़ रुपये उच्च शिक्षा पर खर्च होंगे

- पिछले साल की तुलना में तीन हजार करोड़ रुपये ज्यादा
- पीएम श्री योजना के तहत नए स्कूल खुलेंगे

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। शिक्षा क्षेत्र पर अंतरिम बजट में भी केंद्र सरकार ने अपना फोकस बरकरार रखा है। एक तरफ बुनियादी शिक्षा पर जोर है, वहीं उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार पर सरकार का ध्यान है।

स्कूल शिक्षा के बजट में केंद्रीय योजनाओं के लिए करीब 19 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी की गई है। जबकि स्कूली शिक्षा का कुल बजट भी पिछली साल की तुलना में बढ़ा है। उच्च शिक्षा का बजट आवंटन भी बढ़ाया गया है।

केंद्रीय योजनाओं में ज्यादा खर्च : संशोधित अनुमान वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2024-25 में स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के तहत केंद्रीय योजनाओं के लिए बजट आवंटन में 12,024 करोड़ रुपये यानी 19.56% की कुल वृद्धि हुई है।

केवीएस और एनवीएस पर भी फोकस : केवीएस और एनवीएस के स्वायत्त निकायों में अब तक का सबसे अधिक बजट आवंटन देखा जा सकता है। केवीएस के लिये 9,302 करोड़ रुपए और नवोदय विद्यालय के लिये 5,800 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

डिजिटल शिक्षा को ज्यादा पैसा : डिजिटल इंडिया लर्निंग के तहत आवंटन में करीब 80 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है। गत वर्ष 420 करोड़ रुपये की तुलना में इस बार 505 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

अध्ययन को ज्यादा राशि : उच्च शिक्षा विभाग के तहत अध्ययन और नवाचार के लिए 355 करोड़ रुपए दिए गए हैं। जबकि गत वर्ष यह आवंटन करीब 210 करोड़ रुपये था। सरकार ने इस वर्ष यूजीसी के बजट में 60 प्रतिशत की कटौती की है।

कब कितना आवंटन

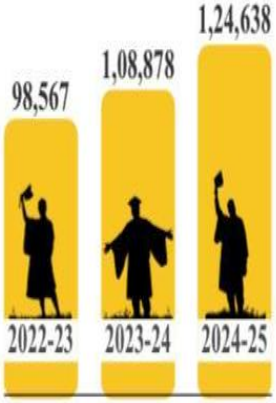

(आंकड़े करोड़ रुपये में)

पीएम श्री योजना का आवंटन बढ़ाया गया : पीएम श्री स्कूल योजना के तहत आवंटन 4000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 6000 करोड़ रुपये तक कर दिया गया है। इस योजना के तहत नए स्कूल खोले जाएंगे।

ऑनलासन बूट कैंप का समापन

थराली। राजकीय महाविद्यालय तलवाड़ी में उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद द्वारा संचालित दो दिवसीय देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत ऑनलाइन बूट कैंप का समापन हो गया है।

देवभूमि उद्यमिता के नोडल शंकर राम ने बताया कि दो दिवसीय आनलाइन बूट कैंप में देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखंड के संयोजक सुमित कुमार ने स्टार्टअप एवं उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं, आइडिया जेनरेशन, बिजनेस प्लान, टीमवर्क आदि के संबंध में छात्र, छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी। कैंप में कालेज की भावना पुरोहित, हिमांशी, सीमा, दीपक सिंह, निकिता आदि ने अपने आइडिया प्रस्तुत किए। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डा. प्रतिभा आर्य ने बताया कि मौजूदा समय में उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के अंतर्गत देवभूमि उद्यमिता योजना एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस मौके पर देवभूमि उद्यमिता योजना के सदस्य मनोज कुमार, रजनीश कुमार, डा. नीतू पांडे, डा ललित जोशी आदि ने विचार व्यक्त किए। इस दौरान नोडल शंकर राम ने बताया कि उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद सहायता देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय तलवाड़ी

स्टार्ट अप के माध्यम से उद्यमी बनने के बताए गुर

लंबगांव(टिहरी)। फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत आयोजित दो दिवसीय बूट कैंप का समापन हुआ। शिविर में छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार अपनाने, स्टार्ट अप के माध्यम से अपना सेटअप तैयार करने समेत उद्यमी बनने के गुर सिखाए गए। प्राचार्य डॉ. योगेश कुमार ने शिविर का समापन करते हुए कहा कि छात्र-छात्राएं स्वरोजगार के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का प्रयास करें। मुख्य प्रशिक्षक विनय यादव ने प्रतिभागियों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी। मौके पर नितिन गुप्ता, डॉ. तरुण मोहन, सहायक नोडल डॉ. भरत सिंह राणा मौजूद रहे। संवाद

भीमताल में स्टार्टअप बूट कैंप आज से

भीमताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल परिसर में प्रदेश सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत मंगलवार से दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का आयोजन होगा। इस दौरान कुमाऊं विश्वविद्यालय के साथ ही विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के संस्थागत विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों सहित पॉलीटेक्निक, निजी विश्वविद्यालय निजी संस्थान तथा क्षेत्र में रहने वाले विद्यार्थियों को स्टार्टअप प्रारंभ करने हेतु विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारियां दी जाएगी। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी प्रो. कुमुद उपाध्याय ने बताया कि देवभूमि उद्यमिता योजना का संचालन भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य देवभूमि उत्तराखंड में उद्यमिता से संबंधित जागरूकता का प्रचार प्रसार करने के साथ स्वरोजगार सहित नए स्टार्टअप, नवाचार को बढ़ावा देने तथा नए उद्यम प्रारंभ करने की दिशा में विद्यार्थियों एवं नव युवाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। संयोजक डॉ. तीरथ कुमार और डा. आशीष बिष्ट ने बताया कि कैंप के लिये 180 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया है।

स्टार्टअप शुरु करने को आज विषय विशेषज्ञ देंगे अहम जानकारियां

- 180 प्रतिभागियों ने करा दिया है पंजीकरण
- कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित परिसर में होगा आयोजन
- प्रदेश सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना की पहल

आज समाचार सेवा

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित परिसर में प्रदेश सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत दो दिवसीय स्टार्टअप बूटकैंप का आयोजन 12 मार्च (आज) से प्रारंभ किया जा रहा है जिसमें कुमाऊं विश्वविद्यालय के अतिरिक्त क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के संस्थागत विद्यार्थियों तथा पूर्व विद्यार्थियों एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों सहित पॉलिटेक्निक व निजी विश्वविद्यालय व निजी संस्थान तथा क्षेत्र में निवासरत विद्यार्थियों को स्टार्टअप प्रारंभ करने हेतु विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारियां दी जाएगी। देवभूमि उद्यमिता योजना के कुमाऊं विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो. कुमुद उपाध्याय ने बताया कि देवभूमि उद्यमिता योजना का संचालन भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग के साथ किया जा रहा है जिसका मूल उद्देश्य देवभूमि उत्तराखंड में उद्यमिता से संबंधित जागरूकता का प्रचार प्रसार करने के साथ स्वरोजगार सहित नए स्टार्टअप तथा नवाचार को बढ़ावा देने तथा नए उद्यम प्रारंभ करने की दिशा में विद्यार्थियों एवं नव युवाओं को शासकीय योजनाओं की जानकारी देने एवं नए उद्योग प्रारंभ करने हेतु संबंधित जानकारियां प्रदान किया जाना है। उन्होंने बताया कि इसके तहत 12 एवं 13 मार्च को दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ तीरथ कुमार और डा. आशीष बिष्ट ने बताया कि कैंप हेतु 180 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण किया गया है। इस कैंप के पश्चात चिन्हित प्रतिभागियों को आने वाले समय में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया जाएगा।

हादसा : 20 फीट ऊंचाई से सीढ़ी से गिरा वेल्डर

नैनीताल (आज समाचार सेवा) नगर के समीपवर्ती पंगोट क्षेत्र में निर्माणाधीन भवन में वेल्डिंग करने के दौरान वेल्डर 20 फीट ऊंची सीढ़ी से असंतुलित होकर जमीन पर गिर गया जिससे वह बुरी तरह चोटिल हो गया। लहुलूहान अवस्था में मजदूर उसे लेकर नैनीताल के राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल पहुंचे,जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक मूल रुप से बिजनौर निवासी फ ईम (24) वेल्डिंग का कार्य करता है। सोमवार को वह पंगोट क्षेत्र के एक निर्माणाधीन भवन में वेल्डिंग कर रहा था। इसी बीच अचानक सीढ़ी से असंतुलित होकर वह 20 फीट नीचे जमीन पर आ गिरा जिससे भवन में कार्य कर रहे मजदूरों में भी चीख पुकार मच गई। आनन-फानन में मौके पर मौजूद अन्य मजदूर उसे बीडी पांडे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार दिया। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. वी.के. मिश्रा ने बताया कि मरीज के सीने व सिर पर अंदरुनी चोट है जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

स्टार्टअप बूट कैंप का आयोजन आज से

भीमताल : कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित परिसर में प्रदेश सरकार के देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत दो दिवसीय स्टार्टअप बूटकैंप का आयोजन 12 मार्च से प्रारंभ किया जा रहा है। इसमें कुमाऊं विश्वविद्यालय के अतिरिक्त क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के संस्थागत विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों सहित पॉलिटेक्निक, निजी विश्वविद्यालय निजी संस्थान तथा क्षेत्र में निवासरत विद्यार्थियों को स्टार्टअप प्रारंभ करने के लिए विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारियां दी जाएगी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. तीरथ कुमार और डॉ. आशीष बिष्ट ने बताया कि कैंप के लिए 180 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया है।